साहित्यिक हिंदी

AVTAR मॉडल पेपर 2023

हिन्दी कक्षा 12

समय : 3 घण्टे 15 मिनट | पूर्णांक : 100

निर्देश (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य हैं।
(iii) सभी प्रश्नों हेतु निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड 'क'

1. (क) हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास है (1)
(a) आनन्द मठ (b) परीक्षा गुरु
(c) गबन (d) तितली

(ख) 'अष्टयाम' के रचनाकार हैं (1)
(a) विट्ठलनाथ (b) अग्रदास
(c) नाभादास (d) गोकुलनाथ

(ग) द्विवेदी युग का लेखक इनमें से कौन नहीं है? (1)
(a) श्यामसुन्दर दास (b) बालमुकुन्द गुप्त
(c) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (d) डॉ. नगेन्द्र

(घ) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना नाटक है? (1)
(a) गोदान (b) स्कन्दगुप्त
(c) चिन्तामणि (d) अशोक के फूल

(ङ) आलोचना के क्षेत्र में सर्वाधिक उल्लेखनीय साहित्यकार हैं (1)
(a) मिश्रबन्धु (b) सुदर्शन
(c) गुलाब राय (d) रामचन्द्र शुक्ल

2. (क) 'रामभक्ति शाखा' के कवि नहीं हैं (1)
(a) तुलसीदास (b) अग्रदास
(c) नन्ददास (d) नाभादास

(ख) 'उर्वशी' रचना है (1)
(a) जयशंकर प्रसाद (b) सूरदास
(c) रामधारी सिंह (d) महादेवी वर्मा

(ग) रामचन्द्रिका के रचनाकार हैं (1)
(a) चिन्तामणि (b) कृष्णादास
(c) भिखारीदास (d) केशवदास

(घ) 'कविकुल कल्पतरु' के रचनाकार हैं (1)
(a) मतिराम (b) चिन्तामणि
(c) कुलपति मिश्र (d) भूषण

(ङ) 'भड़ौवा संग्रह' के रचनाकार हैं (1)
(a) ग्वाल (b) पद्माकर
(c) वेनीबन्दीजन (d) द्विजदेव

3. निम्नलिखित अवतरणों को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 × 2 = 10)

पृथ्वी और आकाश के अन्तराल में जो कुछ सामग्री भरी है, पृथ्वी के चारों ओर फैले हुए गम्भीर सागर में जो जलचर एवं रत्नों की राशियाँ हैं, उन सबके प्रति चेतना और स्वागत के नए भाव राष्ट्र में फैलने चाहिए। राष्ट्र के नवयुवकों के हृदय में उन सबके प्रति जिज्ञासा की नयी किरणें जब तक नहीं फूटतीं, तब तक हम सोये हुए के समान हैं। विज्ञान और उद्यम दोनों को मिलाकर राष्ट्र के भौतिक स्वरूप का एक नया ठाट खड़ा करना है। यह कार्य प्रसन्नता, उत्साह और अथक परिश्रम के द्वारा नित्य आगे बढ़ाना चाहिए। हमारा ध्येय हो कि राष्ट्र में जितने हाथ हैं, उनमें से कोई भी इस कार्य में भाग लिए बिना रीता न रहे।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) राष्ट्रीय चेतना में भौतिक ज्ञान-विज्ञान के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।
(iv) 'जिज्ञासा की नई किरणें जब तक नहीं फूटतीं, तब तक हम सोए हुए के समान हैं' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
(v) लेखक के अनुसार, राष्ट्र समृद्धि का उद्देश्य कब पूर्ण नहीं हो पाएगा?

अथवा

नवीनीकरण में कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो, उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है। यदि सुस्पष्टता और निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी। नए शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए। इस सन्दर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें।

(i) उपर्युक्त अवतरण के आधार पर भाषा का क्या कार्य है?
(ii) नए शब्दों के निर्माण के समय किन बिन्दुओं पर ध्यान देना चाहिए?
(iii) 'सार्थकता' और 'उन्मुक्त' का शब्दार्थ लिखिए।
(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम बताइए।

4. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर उन पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 × 2 = 10)

आजु लौं जौ न मिले तौ कहा हम तो तुम्हरे सब भाँति कहावैं।
मेरौ उराहनो है कछु नाहिं सबै फल आपने भाग को पावैं।।
जो 'हरिचन्द' भई सो भई अब प्रान चले चहैं तासों सुनावैं।
प्यारे जू है जग की यह रीति बिदा के समै सब कण्ठ लगावैं।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के शीर्षक व रचनाकार का उल्लेख कीजिए।

(ii) प्रस्तुत पद्यांश में नायिका की किस दशा की अभिव्यक्ति हुई है?

(iii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iv) प्रस्तुत पद्यांश में नायिका ने अपनी कौन-सी इच्छा प्रकट की है?

(v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निकसि कमण्डल तैं उमण्डि नभ-मण्डल खण्डति।
धाई धार अपार बेग सौं बायु बिहण्डति।।
भयौ घोर अति शब्द धमक सौं त्रिभुवन तरजे।
महामेघ मिलि मनहु एक संगहिं सब गरजे।।
निज दरेर सों पौन-पटल फारति फहरावति।।
सुर-पुर के अति सघन घोर घन घसि घहरावति।।
चली धार धुधकारि धरा-दिसि काटति कावा।
सगर-सुतनि के पाप-ताप पर बोलति धावा।।
स्वाति-घटा घहराति मुक्ति-पानिप सौं पूरी।
कैधों आवति झुकति सुभ्र आभा रुचि रूरी।।
मीन-मकर-जलव्यालनि की चल चिलक सुहाई।
सो जनु चपला-चमचमति चंचल छबि छाई।।

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से अवतरित हैं तथा इसके रचनाकार कौन हैं?

(ii) प्रस्तुत पद्यांश में किस प्रसंग का वर्णन किया गया है?

(iii) 'भयौ घोर अति शब्द धमक सौं त्रिभुवन तरजे' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) प्रस्तुत पद्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए।

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए (5)

(i) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए (5)

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'बहादुर' *अथवा* 'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। (5)

अथवा 'बहादुर' *अथवा* 'कर्मनाशा की हार' कहानी के मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए

7. निम्नलिखित खण्डकाव्यों में से स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए (4)

(क) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' के नामकरण की सार्थकता पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए रचना के उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु की विशेषताएँ बताइए।

अथवा "नारी अबला नहीं, शक्तिरूपा है।" द्रौपदी के चरित्र के माध्यम से इस कथन की सार्थकता प्रमाणित कीजिए।

(ग) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी के जीवन की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के कथानक की समीक्षा कीजिए।

(घ) 'श्रवण-कुमार' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा 'श्रवण-कुमार' एक भावप्रधान खण्डकाव्य है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में निरूपित राज्यश्री की चारित्रिक छवि पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

(च) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य में उदात्त मानवीय चरित्र का उद्घाटन किया गया है—इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा 'रश्मिरथी खण्डकाव्य की प्रमुख स्त्री-पात्र के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (2 + 5 = 7)

(क) संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिर्व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते। इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति। ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति।

अथवा अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्यप्राप्तम् सर्वाकारपरिपूर्णं पुरुषं राजानमकुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन्। ततः शकुनिगणाः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुष्येषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासो नाम न वर्तते एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः। अथ ते परस्परमवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यावोचन्।

(ख) सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्। (2 + 5 = 7)
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।

अथवा प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः।।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए। (2 + 2 = 4)

(क) काकः उलूकस्य विरोधं कथम् अकरोत्?

(ख) श्रीकृष्णः दुर्योधनस्य किमपरं नाम वदति?

(ग) व्यासः किं रचितवान्?

(घ) कस्य खलु दर्शनेन इदं सर्वं विदितं भवति?

(ख) दृष्टान्त अथवा श्लेष अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (2)

(ग) 'हरिगीतिका' अथवा 'बरवै' छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। (2)

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए। (9)

(क) जल-संकट से जूझता मानव

(ख) भारत की सांस्कृतिक विविधता

(ग) लोकतन्त्र में मीडिया की भूमिका

(घ) इण्टरनेट की दुनिया

(ङ) यदि मैं प्रधानाचार्य होता

12. (क) (i) सज्जनः का सन्धि-विच्छेद होगा (1)

(a) सत् + जनः
(b) सद् + जन्ः
(c) सज्ज + नः
(d) सज् + जन्ः

(ii) योद्धा में कौन-सी सन्धि होगी? (1)

(a) रुत्व (b) उत्व
(c) जश्त्व (d) दीर्घ

(iii) 'पौ + अकः' की सन्धि है (1)

(a) पोअकः (b) पावकः
(c) पावाकः (d) पोवाकः

(ख) (i) 'घनश्यामः' में समास है (1)

(a) द्विगु (b) अव्ययीभाव
(c) कर्मधारय (d) बहुव्रीहि

(ii) 'नीलोत्पलम' में समास है (1)

(a) अव्ययीभाव (b) द्वन्द्व
(c) द्विगु (d) कर्मधारय

13. (क) (i) 'आत्मभ्यः' शब्द रूप है 'आत्मन्' शब्द का (1)

(a) चतुर्थी विभक्ति बहुवचन
(b) षष्ठी विभक्ति एकवचन
(c) पञ्चमी विभक्ति बहुवचन
(d) सप्तमी विभक्ति बहुवचन

(ii) 'नाम्नः' शब्द रूप है 'नामन्' का (1)

(a) प्रथमा विभक्ति द्विवचन
(b) पञ्चमी विभक्ति एकवचन
(c) द्वितीया विभक्ति एकवचन
(d) द्वितीया विभक्ति बहुवचन

(ख) (i) 'स्था' धातु लृट्लकार प्रथम पुरुष, द्विवचन का रूप है

(क) स्थास्यतः
(ख) तिष्ठाम्
(ग) तिष्ठावः
(घ) स्थास्यसि

(ii) 'नेष्यावः' रूप है 'नी' धातु का (2010)

(क) लट्, उत्तम, द्विवचन
(ख) लोट्, मध्यम, द्विवचन
(ग) लृट्, मध्यम, बहुवचन
(घ) लृट्, उत्तम, द्विवचन (2)

(ग) (i) 'श्रीमती में प्रत्यय है (1)

(a) मतुप् (b) इक
(c) ता (d) तव्यत्

(ii) गतः में प्रत्यय है (1)

(a) क्त (b) क्त्वा
(c) अनीय (d) नीय

(घ) रेखांकित पदों में से किसी एक में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए। (1 + 1 = 2)

(i) अहं <u>गृहं</u> गच्छामि।

(क) प्रथमा (ख) तृतीया
(ग) चतुर्थी (घ) द्वितीया

(ii) <u>वृक्षात्</u> पत्राणि पतन्ति।

(क) तृतीया (ख) पञ्चमी
(ग) द्वितीया (घ) चतुर्थी

14. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए। (2 + 2 = 4)

(क) तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?

(ख) सूर्य उदय होने पर कमल खिलता है।

(ग) हिमालय भारत की रक्षा करता है।

(घ) हिमालय से गंगा निकलती है।